IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

शासकीय व अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों मे ं कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण अभिरुचि का तुलनात्मक अध्ययन।

▪ डॉ वंदना शर्मा

सारांश

शाधे ार्थी ने शासकीय व अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण अभिरुचि तुलनात्मक अध्ययन शाधे ा समस्या का चयन किया। उद्देश्य 1. शासकीय व अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण अभिरुचि का अध्ययन करना। 2. शासकीय व अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षको ं की शिक्षण अभिरुचि के माध्य फलाकों का तुलनात्मक अध्ययन करना। परिकल्पना शासकीय एव ं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण अभिरुचि के माध्य फलाकों में काइे ं सार्थक अंतर नहीं है। वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयागे कर शाधे ार्थी द्वारा शिक्षण अभिरुचि के मापन हते ु कक्कड़, एस.पी. (2011) द्वारा निर्मित शिक्षण अभिरुचि मापनी का प्रयागे किया गया। निष्कर्ष 1.शाधे ार्थी द्वारा जनसंख्या में से चयनित न्यादर्श शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत शिक्षकों में थाडे ़ी सी सकारात्मक विषमता व तुंग कुकदता पाई गई। इसी प्रकार अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत शिक्षको ं में सकारात्मक विषमता व चपटी कुकदता पाई गई।

2.शासकीय व अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत शिक्षकों की शिक्षण अभिरुचि में सार्थक अंतर पाया गया।

▪ प्राचार्य, श्री राधावल्लभ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, ग्वालियर, मध्य प्रदेश। प्रस्तावना अभिरुचि यह एक जन्मजात याेग्यता के साथ–साथ अर्जित योग्यता भी है जिसका े स्वयं के द्वारा विकसित भी किया जा सकता है, यदि किसी विद्यार्थी की रुचि अमुक विषय क्षत्रे में उन्नत करनी हो ता े शिक्षकों का दायित्व ह ै कि वह अपनी पठन–पाठन क्रिया को राचे क रूप में प्रस्तुत करके बढा़ सकता है। प्रायः यह देखा गया है कि शिक्षको ं की शिक्षक व्यवसाय के प्रति निष्ठा, २ढ़ता, काय र् संतुष्टि, उपयुक्त वते न, अनुकूलित कार्य दशाएं एव ं सबसे प्रमुख उनके द्वारा पढ़ाई जाने वाली विषय के प्रति ज्ञान एवं रुचि का विद्यार्थियों की शैक्षिक विकास को उन्नत करने में महत्वपण्ू ार् भूमिका निभाता है। शासकीय विद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षको ं की शिक्षण अभिरुचि उच्च होती है या अशासकीय विद्यालय में अध्यापनरत शिक्षकों की शिक्षण अभिरुचि , इस तथ्य का उजागर करने हते ु शाधे ार्थी ने उक्त शोध समस्या का चयन किया।

समस्या कथन

शासकीय व अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण अभिरुचि का तुलनात्मक अध्ययन।

अध्ययन के उद्देश्य

1. शासकीय व अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यर त शिक्षको ं की शिक्षण अभिरुचि का अध्ययन करना।
2. शासकीय व अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षको ं की शिक्षण अभिरुचि के माध्य फलाको ं का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएं

शासकीय एव ं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण अभिरुचि के माध्य फलाको ं मे ं काइे र् सार्थक अंतर नहीं है। अध्ययन की विधि

शाध्े ाार्थी ने वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयागे किया।

न्यादर्श चयन विधि

शाध्े ाार्थी द्वारा आकस्मिक चयन विधि द्वारा दतिया शहर के 4 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का चयन किया गया एव ं उन्ही ं में कार्यरत 300 शिक्षकों का चयन लॉटरी विधि द्वारा किया गया।

शाध्े ा मे ं प्रयुक्त उपकरण

शाध्े ाार्थी द्वारा शिक्षण अभिरुचि के मापन हते ु कक्कड़, एस.पी. (2011) द्वारा निर्मित शिक्षण अभिरुचि मापनी का प्रयागे किया गया। सांख्यिकीय प्रविधि

शाध्े ाार्थी द्वारा आकं ड़ों का संग्रहण करने के पश्चात उनका विश्लेषण एव ं अर्थापन करने हते ु मध्यमान, मानक विचलन, मध्यिका, प्रथम चतुर्थांश विचलन, तृतीय चतुर्थांश विचलन, विषमता, कुकुदता एवं टी–मान ज्ञात किया गया।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

1. शासकीय व अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों मे ं कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण अभिरुचि का अध्ययन करना।

शासकीय व अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण अभिरुचि संबंधी प्राप्ताकं ि` के मध्यमान, मानक विचलन, प्रथम चतुर्थांश, तृतीय चतुर्थांश, मध्याकं , विषमता व कुकदता मान ज्ञात किए गए जा` कि निम्न तालिका में प्रस्तुत है–

तालिका संख्या 1

शासकीय व अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण अभिरुचि सबं ंधी प्राप्ताकं ों का विवरणात्मक साख्यिकीय मान।

विद्यालय प्रकार	शिक्षकों की संख्या	मध्यमान	मध्यांक	प्रथम चतुर्थांश	तृतीय चतुर्थांश	प्रा.वि.	विकृति मान	कुकदता मान
शासकीय	150	19.5	19.76	17.226	21.05	3.76	0.086	0.197
अशासकीय	150	27.4	28.73	28.075	29.39	2.13	0.063	0.187

तालिका क्रमांक 1 के गहन अवलाके न से विदित हो रहा है कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत शिक्षको ं की शिक्षण अभिरुचि संबंधी प्राप्ताकं ों की विषमता (0.086) एव ं कुकदता मान (0.197) है जा` कि जॉर्ज एवं मिलर (2010) के अनुसार (2 से –2) के मध्य में होनी चाहिए तथा कुलमार्गव सांख्यिकी 0.79, मक्तु ांश 150 पर 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक है। अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्यापनरत शिक्षको ं की शिक्षण अभिरुचि संबंधी प्राप्तांकों में विषमता मान (0.063), कुकुदता मान (0.187) प्राप्त हुआ, जा` कि जॉर्ज एवं मिलर (2010) के अनुसार (2 से –2) के मध्य में होनी चाहिए तथा कुलमार्गव सांख्यिकी 0.63, मुक्तांश 150 पर 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक है। सकारात्मक वि" ति से तात्पर्य है वर्क का झुकाव दाएं आरे अधिक है तथा तुंग कुकदता से तात्पर्य है प्राप्त कुकदता मान .263 से कम है। अतः निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि यदि प्रतिदश ं का आकार बड़ा होता तो प्रतिदर्श समान्य विचरण शीलता से युक्त है।

2. शासकीय व अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयो ं मे ं अध्यापनरत शिक्षको ं की शिक्षण अभिरुचि का तुलनात्मक अध्ययन।

शाध्े ाार्थी द्वारा जनसंख्या में से चयनित न्यादश ं शासकीय व अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयो ं में अध्यापनरत शिक्षकों की शिक्षण अभिरुचि का तुलनात्मक अध्ययन करने हते ु मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–मान ज्ञात किया गया, जा` कि अधोलिखित तालिका में प्रस्तुत किया गया है– तालिका क्रमांक 2 शासकीय व अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों मे ं अध्यापनरत शिक्षकों की शिक्षण

अभिरुचि सबं धी प्राप्तांको ं के मध्यमान, मानक विचलन, टी–मान एव ं सार्थकता स्तर।

क्रंसं	उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का प्रकार	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन मान	टी–मान	सार्थकता स्तर
1	शासकीय	150	19.5	3.76	16.5	0.01सार्थक
2	अशासकीय	150	27.4	2.13		

तालिका क्रमांक 2 के अवलाके न से स्पष्ट हो रहा है कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण अभिरुचि संबंधी प्राप्ताकं ों का मध्यमान (19.5), अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यर त शिक्षको ं की शिक्षण अभिरुचि संबंधी प्राप्ताकं ों का मध्यमान (27.4) तुलना में निम्न है। दाने ों ही समूहों के मध्य प्राप्त टी–मान (16.5) 0. 01 सार्थकता स्तर पर सार्थक है। इसका तात्पर्य यह है कि अधिकाइं ातः शासकीय विद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की शिक्षण अभिरुचि, अशासकीय विद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की तुलना में कम है। संभावित कारण यह हो सकता ह ै कि अधिकांशतः अशासकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक, विद्यार्थियो ं का ें पढ़ाते समय विभिन्न गतिविधियो, क्रियाकलापों, विद्यार्थियों के समक्ष प्रे णात्मक वातावरण में प्रस्तुत करने का प्रयास करते हैं, इसका एक कारण यह भी हो सकता है कि निजी विद्यालयों में पढ़ाने वाली शिक्षकों का मल्ू याकं न समय–समय पर विद्यार्थियो ं की उपलब्धि एव ं उनकी स्वयं की उपलब्धियो ं के आधार पर होता रहता है, साथ ही सैलरी के अलावा वर्ष भर में मिलने वाला बाने स एवं पदान्नति, कहीं ना कहीं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शिक्षण अभिरुचि से संबंधित होता है। पाडं े, शालिनी (2021) ने शाधे ोपरान्त पाया कि सरकारी वाणिज्य माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण अभिरुचि मे ं काइे र् सार्थक अंतर नहीं है। जबकि अगव्र ाल, श्वते ा (2010) ने सरकारी व निजी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण अभिरुचि मे ं सार्थक अंतर है।

निष्कर्ष

1. शाधे ार्थी द्वारा जनसंख्या में से चयनित न्यादश र् शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों मे ं अध्यापनरत शिक्षको ं में थोड़ी सी सकारात्मक विषमता व तुंग कुकदता पाई गई। इसी प्रकार अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत शिक्षकों में सकारात्मक विषमता व चपटी कुकदता पाई गई।
2. शासकीय व अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत शिक्षको ं की शिक्षण अभिरुचि मे ं

सार्थक अंतर पाया गया।

सुझाव

1. सरकार व प्रशासक प्रमुख रूप से अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों के वते नमान चिकित्सा, आवास, यात्रा आदि सुविधाओ ं का ` उपलब्ध कराए जिससे उच्च याग्े यता वाले शिक्षक अशासकीय विद्यालयो ं की आरे अग्रसर होगं ` जिससे इनमे याग्े य शिक्षकों की संख्या बढ सके परिणामतः विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि भी उच्च हा ` सके।
2. शिक्षक स्वयं के व्यवहार मे विद्यार्थियो ं की अनुभूति स्वीकारे, उनकी प्रशंसा कर उन्ह ` प्रोत्साहित करे तथा विद्यार्थियों के विचारो ं का ` स्वीकार करने के साथ स्वयं के वाक्यों मे उपयागे करे। जिससे विद्यार्थियों का ` प्रेरित, विषयों में रूचि व लक्ष्यान्मुख किया जा सके।
3. सरकारी व निजी विद्यालयों मे कार्यरत शिक्षक को अपने शिक्षण कार्य मे अभिरूचि होनी चाहिए जिससे विद्यार्थियों की उपलब्धि स्तर को उच्चता की आरे ले जाया जा सके, साथ ही शिक्षकों के प्रति विद्यार्थियो ं का उचित दृष्टिकाण े । विकसित हो सके ।
4. शैक्षिक उपलब्धि के विकास हते ु विद्यार्थी अधिक एकाग्रचित होकर कक्षा कक्ष मे अध्ययन काय ं करे। साथ ही पढाई का ` जीवन का उद्देश्य मानकर प्रत्येक कार्य का संचालन करे। शिक्षको ं का ` शिक्षण करते समय यह ध्यान रखना होता है कि जो तीव्र बुद्धि के विद्यार्थी हैं उनको उनकी क्षमता कुशलता के आधार पर ज्ञान एवं कौशल दिया जाए, जबकि मंदबुद्धि बालकों के साथ उनकी समस्याएं, व्यक्तिगत भिन्नता का ` देखते हुए शिक्षण अधिगम प्रक्रिया संपन्न कराई जानी चाहिए जिससे विद्यार्थीगण अधिक स ` अधिक लाभान्वित हा `सके।
5. अध्यापको ं का ` स्वयं में शिक्षण अभिरुचि विकसित करने हते ु हमेशा प्रयासरत रहना चाहिए जैसे शिक्षण सूत्र, शिक्षण रणनीतियों, विषयी व्यक्तिगत भिन्नता का ज्ञान, जिज्ञासु प्रवृत्ति का होना अत्यतं आवश्यक है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सचू ी

Aggarwal, S & Bala, R. (2017). A comparative study of occupational interest of secondary school students. *International Journal of Educational Research Studies. 3.*

Baruah, H. (2013). A comparative study of vocational interest between boys and girls of IXth grade students. *International Educational E-Journal Quarterly, 2, 133-139*.

Berlyne, D. E. (1949). Interest as a psychological concept. *British Journal of Psychology, 39, 184195.*

Gandhi, N. (2017). Study of educational interest in relation to school environment. *National Journal of Multidisciplinary Research and Development. 2(3.)*

गुप्ता, आर.(2024). शिक्षण अभिरुचि एवं शिक्षण अभिवृत्ति. रमेश पब्लिशिगं हाउस, दिल्ली।

हरि प्रसाद एवं डॉ. स्वर्णलता त्रिपाठी..(2023). माध्यमिक शिक्षा स्तर पर अध्ययनरत छात्र व छात्राओ ंके शैक्षिक अभिरुचि का तुलनात्मक अध्ययन. *International Journal Applied Research.*9(5)pp307-310

जाश े ाफे , शोली. (2009).बी.एड. में अध्ययनरत शिक्षक प्रशिक्षणार्थियो ंकी शिक्षण के प्रति रूचि का अध्ययन. एक्सपैरीमेन्ट इन एजूकेशन, वर्ष 29 (2), 64।

Judith Harackiewicz M., Jessi Smith L., Stacy Priniski J. (2016). Interest Matters The Importance of Promoting Interest in Education. *Sage Journals, 3 (2).*

Nadeem, N.A. & Alumad.(2016). Career preferences of male and female higher secondary students- a comparative study, *International Scientific Research and Education.* 4(2).

Narang,V.P. & Narang. S. (2015). Study of Educational Interests of Xth Class Students of Tehsil Abohar. *International Journal of Education and Information Studies.* 5(1).

.